मन मारा थारे कई विधि समझाऊं कबीर भजन लिरिक्स

मन मारा थारे कई विधि समझाऊं,
मनवा थारा मते चलूँ तो,
सीधा नरक लई जावे,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

अरे सोना होय तो सुहाग मंगाऊं,
बंद नाल दस लाऊँ,
ग्यान सबद री फुक लगाऊँ,
अंतर तार खिचाऊं,
पंके नाल ऊलटाउरे बीरा मारा
किणे वीदे के समजाऊ जी।bd।

अरे घोडो होवे तो लगाम लगाउ,
भाई उपर जीणे कसाऊ जी,
होय सवार थारे उपर बेटु,
चापक चाले चलाउ जी,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

अरे हाथी होय जजीर लगाऊ,
भाई चाराई पैर बन्दाउ जी,
अरे होय महावत उपर बटु,
होय अमावत उपर बटु अरे,
अंकुस दे समजाउ,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

लोया होव तो ऐरण मंगाऊं,
उपर धमण धमाउ,
धमण की गणे गोरे मचाउ,
पानी कर पिघलाऊँ,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

ज्ञान ना होय तो ज्ञान बताऊँ,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सत को मार्ग लखाउँ,
कहे कबीर सुनो भाई साधो,
अमरापुर पहुंचाऊं,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

मन मारा थारे कई विधि समझाऊं,
मनवा थारा मते चलूँ तो,
सीधा नरक लई जावे,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

प्रेषक – रूपलाल लौहार
M. 9680208919

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com